Q.P. Code – 53302

Third Semester B.Com. Degree Examination, October/November 2019

(CBCS – Semester Scheme)

Language Hindi

Paper III – NATAK : ALAKH AZADI KI, SARKARI PATRA AUR SANKSHEPAN

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 90*

I. एक शब्द या वाक्यांश में उत्तर लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. मंडली का प्रमुख गायक अलग कोने में बैठा क्या कर रहा है?
2. वास्कोडिगामा कहाँ का रहने वाला था?
3. ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना कब हुई?
4. हेक्टर – नामक जहाज का कप्तान कौन था?
5. शाहजहाँ का बेटा कौन था?
6. जो काम बुलेर नही का सकती, वह कौन करती है?
7. किसको जगाने के लिए समय और धैर्य चाहिए?
8. 'अलख आजादी की' – नाटक के रचनाकार कौन हैं?
9. भारत छोडो आंदोलन कब शुरु हुआ?
10. भारत कब आज़ाद हुआ?

SIDDAGANGA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE FOR WOMEN TUMKUR. LIBRARY & INFORMATION CENTRE Page No. Date

II. किन्हीं **दो** अवतरणों का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए। **(2 × 6 = 12)**

1. प्राचीनकाल से ही भारत अपने ज्ञान, अध्यात्म, धन-वैभव, विद्या, कला, कौशल में अद्वितीय रहा है।
2. डोंट वरी, बहुत जल्द हम हिन्दुस्तान पर छा जाएँगे, हिन्दुस्तान हमारा होगा।
3. अब छः महीने से बेकार बैठा हूँ। सोच रहा हूँ फ़ौज में ही भरती हो जाऊँ।

III. "सोने की चिडीया है भारत, किस्सा ये मशहूर था" – नाटक के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। **(1 × 14 = 14)**

(अथवा)

अलख आजादी की – नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताएँ बताइए?

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 7 = 14)**

1. कप्तान हॉकिन्स।
2. गायक।
3. बुहादुरशाह ज़फ़र।

V. किन्हीं **दो** पत्र लिखिए। **(2 × 15 = 30)**

1. सचिव, स्वास्थ्य मत्रांलय, नई दिल्ली की ओर से स्वास्थ्य अधिकारी, केरल सरकार को एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए जिसमें केरल के अंचलों में फैले हैज़े के नियंत्रण के लिए उठाए गए ठोस कदम की जानकारी का विवरण मांगा गया हो।
2. स्थान परिवर्तन होने की सूचना देते हुए सचिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सभी मंत्रालयों के नाम एक ज्ञापन प्रेषित कीजिए।
3. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अवर सचीव के नाम राज्य में हिन्दी की प्रगति का विवरण देते हुए शिक्षा संचालक, कर्नाटक राज्य की ओर से सामान्य सरकारी पत्र लिखिए।

VI. उचित शीर्षक देते हुए, एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1 × 10 = 10)**

शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और शरीर का उचित प्रयोग करना सिखाती है। वह शिक्षा जो मनुष्य को पाठ्य पुस्तकों के ज्ञान के अतिरिक्त कुछ गंभीर चिंतन न दे, व्यर्थ है। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सशच, सचरित एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती तो उससे क्या लाभ। सहृदय सच्चा परंतु अनपढ़ मज़दूर उस स्नातक से कहीं अच्छा है, जो निर्दय और चरित्रहीन है। संसार के सभी वैभव व सुख-साधन भी मनुष्य को तब तक सुखी नहीं बनाते, जब तक मनुष्य को आत्मिक ज्ञान न हो। हमारे कुछ अधिकार व उत्तरदायित्व भी हैं। शिक्षित व्यक्ति को उत्तरदायित्वों का भी उतना ही ध्यान रखना चाहिए जितना कि अधिकारों का।